शिक्षा संकाय (Department of B.Ed.)

महाविद्यालय में शिक्षा संकाय की स्थापना महाविद्यालय के संस्थापक श्री गणेश गोदियाल जी की दूरदर्शिता के फलस्वरूप 2005 में हुई और गढ़वाल मंडल के पौड़ी जनपद के पैठाणी जैसे अपेक्षाकृत पिछड़े ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षक शिक्षा का पाठ्यक्रम प्रारंभ हुआ। यह पाठ्यक्रम क्षेत्र के युवाओं के लिए एक सुनहरा अवसर सिद्ध हुआ जिसने ग्रामीण क्षेत्रों के युवा छात्र-छात्राओं को शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम से परिचित करा कर एक कुषल षिक्षक बनने के लिये प्रेरित किया। यह पाठ्यक्रम अपने उद्देश्य में सफल भी रहा। आज सैकड़ों छात्र-छात्राएं शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त कर विभिन्न विद्यालयों में अपनी सेवाएं प्रदान कर रही हैं। शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम के कारण क्षेत्र में स्त्री शिक्षा के प्रति जागरूकता भी उत्पन्न हुई, जो दिनोंदिन और व्यापक होती जा रही है। 2005 में 100 सीटों के साथ प्रारंभ हुआ यह पाठ्यक्रम क्षेत्रीय जनता के अत्यंत दबाव में संस्थापक महोदय द्वारा 2007 में 200 सीटों में परिवर्तित कराया गया। 2015 में उत्तराखंड राज्य सरकार द्वारा महाविद्यालय को अनुदान श्रेणी में सम्मिलित किए जाने के पश्चात् वर्तमान समय में 100 सीटें वित्त पोषित तथा 50 सीटें स्ववित्त पोषित रूप में संचालित हैं। शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम संचालित होने के कारण अनेक शैक्षिक एवं सह-षैक्षिक गतिविधियां इंटर्नशिप प्रोग्राम के माध्यम से संचालित की जाती हैं। इससे महाविद्यालय का समाज से संवाद स्थापित होता है। महाविद्यालय की स्थापना के बाद नियमित रूप से प्रत्येक वर्ष छात्र-छात्राओं द्वारा जन जागरुकता के कार्यक्रम संचालित करने से क्षेत्रीय जनमानस के अंदर शिक्षा के प्रति उत्साह उत्पन्न हुआ। परिणामस्वरूप बालिका शिक्षा में वृद्धि हुई और अनेक सामाजिक बुराइयाँ नियंत्रित हुईं; क्षेत्र में योग्य अध्यापकों की उपलब्धता सुनिश्चित हुई और शिक्षा के स्तर में गुणात्मक वृद्धि साकार हुई। वर्तमान समय में महाविद्यालय में शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम में पौड़ी के अतिरिक्त प्रदेश के चमोली, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी, देहरादून इत्यादि जनपदों से छात्र-छात्राएं प्रवेश लेकर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। हमारा शिक्षक शिक्षा विभाग सफलतम रूप में गतिमान है। इसका अनुमान शिक्षक शिक्षा में प्रवेश हेतु छात्रों के रजिस्ट्रेशन से लगाया जा सकता है कि विगत वर्षों में 150 सीटों के सापेक्ष प्रतिवर्ष चार से छः गुना छात्र-छात्राएं नामांकन करा रही हैं। भविष्य में षिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम को विस्तारित करके स्नातकोत्तर स्तर तक पहुंचाया जाना प्रस्तावित है, जिससे महाविद्यालय में शोध जैसी गतिविधियां भी संचालित हो सकें। विद्यालय प्रबंधन द्वारा प्रस्तावित एक महत्वपूर्ण योजना शिक्षक शिक्षा विभाग के कक्षा-कक्षों को आईसीटी उपकरणों के माध्यम से स्मार्ट कक्षाओं में परिवर्तित करने की है। यह योजना प्रषिक्षु छात्राध्यापकों एवं छात्राध्यापिका में व्यावसायिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त करेगी। इस प्रकार प्रशिक्षण प्राप्त छात्राध्यापक एवं छात्राध्यापिकाएं शिक्षा में प्रयुक्त होने वाले आधुनिक उपकरणों के संचालन में निपुण होंगे जो उनकी कार्य-दक्षता को उन्नत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करेगा।

B.Ed. Course

Teacher Training Course	Duration & Semester	Intake	Total Seats
B.Ed.(Aided)	2 year (4 semesters)	02	100
B.Ed.(Self-finance)	2 year (4 semesters)	01	50

Non Teaching Staff

Sl. No.	Name	Designation	Nature of Appointment
1.	Mr. Shurbir Singh	Junior Clerk	Regular
2.	Mr. Padam Singh	Lab Assistant	Regular

Teaching Staff (Aided)

Sl. No.	Name	Designation	Nature of Appointment
1.	Dr. Prawesh Kumar Mishra	HoD and Asstt. Professor	Regular
2.	Dr Shivendra Singh Chandel	Asstt. Professor	Regular
3.	Dr. Durgesh Nandini	Asstt. Professor	Regular
4.	Shri Manoj Kumar Singh	Asstt. Professor	Regular
5.	Dr. Akhilesh Kumar Singh	Asstt. Professor	Regular
6.	Dr. Shyam Mohan Singh	Asstt. Professor	Regular
7.	Mrs. Bandana Singh	Asstt. Professor	Regular
8.	Shri Arvind Kumar	Asstt. Professor	Regular
9.	Shri Umesh Chandra Bansal	Asstt. Professor	Regular
10.	Shri Pradeep Kumar	Asstt. Professor	Regular

Teaching Staff (Self-finance)

Sl. No.	Name	Designation	Nature of Appointment
1.	Shri Dhirendra Kumar Singh	Asstt. Professor	Contractual
2.	Dr. Rakesh Kumar	Asstt. Professor	Contractual
3.	Dr. Ravi	Asstt. Professor	Contractual
4.	Shri Sandeep Lingwal	Asstt. Professor	Contractual
5.	Shri Prashant Dabral	Asstt. Professor	Contractual
6.	Shri Rahul Singh	Asstt. Professor	Contractual